

//-- सुविवार --//

नेत्र हमे केवल दृष्टि प्रदान करते हैं परंतु हम कब, किसमे क्या देखते हैं ये हमारी भावनाओं पर निर्भर करता है।

आज

बेबाक

रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग ने खाली बैठे कुछ भारतीय खबरिया चैनलों को काम पर लगा दिया है। चौबीसों घंटे इस युद्ध की खबरे दिखाई जा रही हैं और इसके विश्वयुद्ध में बदलने की आशंका जताई जा रही है। ऐसा लगता है इन खबरिया चैनलों ने विश्वयुद्ध कराने की सुपारी ले रखी है। गिद्ध तो यही चाहेंगे की लाशों के ढेर लगे और वे मजे से जीम सके। बहरहाल इस जंग की खबरों को प्रमुखता मिलने से उत्तर प्रदेश चुनाव हिजाब विवाद और नवाब मलिक की काली करतूतों से जुड़ी खबरे हाशिरा पर चली गई है।

सूर्योदय

उदय : 6:19 प्रातः

अस्त : 5:41 संध्या

जनसंख्या

विश्व : 7,929,131,120

भारत: 1,402,742,750

बाजार

संसेक्स : 57232.06

निफ्टी: 17063.30

गोल्ड : 50,180 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 64,300 प्रति किग्रा

अण्डा दर: 4.41 प्रति नग

आज का दिवस

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस: 28 फरवरी को देश में विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाता है। यही वह दिन है जब देश के महान वैज्ञानिक सी.वी. रमन ने ‘रमन प्रभाव’ का आविष्कार किया था, जिसके लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। महान भौतिक विज्ञानी सर चंद्रशेखर वेंकट रमन ने 28 फरवरी 1928 को भौतिकी के गंभीर विषय में एक महत्वपूर्ण खोज की थी। पारदर्शी पदार्थ से गुजरने पर प्रकाश की किरणों में आने वाले बदलाव पर की गई। इस महत्वपूर्ण खोज के लिए 1930 में उन्हें भौतिकी के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।वह यह पुरस्कार ग्रहण करने वाले भारत हैं नहीं बल्कि एशिया के पहले वैज्ञानिक थे।

देश से चोरी 200 बहुमूल्य मूर्तियों को वापस लाया गया

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि पिछले सात वर्षों में भारत से चोरी हुई 200 से ज्यादा बहुमूल्य प्रतिमाओं को वापस लाया जा चुका है और इन मूर्तियों को वापस लाना भारत माँ के प्रति हमारा दायित्व है। रविवार को श्री मोदी ने रेडियो के अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात के दौरान देश को संबोधित करते हुए कहा कि 2013 तक करीब-करीब 13 प्रतिमाएं भारत आयी थीं। इन मूर्तियों में भारत की आत्मा का, आस्था का अंश है। इनका एक सांस्कृतिक-ऐतिहासिक महत्व भी है।

दैनिक

आदिवासी तमसः परमज्ञान

प्रदेश के साथ पूरा देश...

नवप्रदेश

अंदर के पृष्ठों पर

3 | आंचलिक

4 | अभिव्यक्ति

5 | आंचलिक

7 | छत्तीसगढ़

RNI NO.MPHIN/2017/72749

भोपाल, सोमवार 28 फरवरी 2022, कृष्ण पक्ष एकादशी, विक्रम संवत-2078 वर्ष-05 अंक-292 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए

भोपाल, जबलपुर, रायपुर, बिलासपुर, व रांची से एक साथ प्रकाशित

कीव से खारकीव तक रूस का दबदबा

यूक्रेन के नागरिकों ने भी उठाए हथियार

● रविवार सुबह से जारी हैं रूसी हमले

● यूक्रेन की सड़कों पर उतरी रूसी सेना

● कीव की घेराबंदी की तैयारी में है रूस

कीव/वार्ता। यूक्रेन में रविवार की सुबह तबाही के साथ शुरू हुई। सूरज उगने के साथ ही साइरनों की आवाज सुनाई देने लगी। लोगों की

नौद भी नहीं खुली थी कि धमाकों की आवाज ने दिल दहलाना शुरू कर दिया। लोग भागने लगे, जान बचाने के लिए बंकरों में छिपने लगे। लेकिन तभी आसमान में गूंजती लड़ाकू विमानों की गड़गड़ाहट ने चेहरों पर चिंता की लकीरें खींच दीं।

खारकीव में बड़ा हमला, सांसों पर संकट

रूस के हवाई हमलों से अब यूक्रेन धधकने लगा है। जंग का चौथा दिन यानी रविवार की सुबह



बेलारूस में बातचीत के लिए माना यूक्रेन, रूसी मीडिया का दावा

कीव/नई दिल्ली। रूस की सेना तेजी से यूक्रेन की राजधानी कीव पर हमला कर रही है। यह हमले का चौथा दिन है। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने भी इस बात को लेकर चिंता जताई है कि जल्द ही रूस राजधानी कीव पर कब्जा कर सकता है। राष्ट्रपति जैलेन्स्की को अमेरिका ने यूक्रेन छोड़ने का प्रस्ताव दिया था शेष पृष्ठ 7 पर

सीएम चौहान ने यूक्रेन से लौटे विद्यार्थियों से की बातचीत

अधिकारियों को दिए निर्देश, विद्यार्थियों को चिंता मुक्त करें

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली में यूक्रेन से लौटे प्रदेश के विद्यार्थियों से बात कर उनका हालचाल जाना। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नई दिल्ली में मध्यप्रदेश शासन के आवासीय आयुक्त को इन विद्यार्थियों को आवश्यक रहवास और अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि यूक्रेन से एयर इंडिया की फ्लाइट दिल्ली पहुँची है। विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि नई दिल्ली में मध्यांचल और अन्य स्थानों पर विद्यार्थियों के लिए आवश्यकतानुसार रुकने की व्यवस्था की गई है। उन्हें अन्य जरूरी सुविधाएँ भी प्रदान की जाएँगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मध्यप्रदेश के कुछ विद्यार्थियों से दूरभाष और वीडियो कॉल के माध्यम से बातचीत

कर उनका हौसला बढ़ाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश के बड़वानी नगर की बेटी जेनिशा पटेल की दिल्ली वापसी पर पूछा कि यूक्रेन से भारत की यात्रा में कोई कठिनाई तो नहीं आई। दिल्ली के मध्यांचल भवन में आप रुक सकती हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अधिकारियों को अन्य विद्यार्थियों के लिए भी व्यवस्था कर उन्हें आश्वस्त और चिंता मुक्त करने के निर्देश दिए हैं।

‘ऑपरेशन गंगा’ चला कर यूक्रेन से भारतीयों को स्वदेश लाया जा रहा है : पीएम मोदी

बस्ती(वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि दुनिया में कहीं भी संकट आया हो, सरकार ने अपने नागरिकों को सुरक्षित वापस स्वदेश लाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है और इस सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए यूक्रेन में फंसे हजारों भारतीय नागरिकों को सुरक्षित स्वदेश वापस लाने के लिये ऑपरेशन गंगा चलाया जा रहा है। मोदी ने रविवार को उत्तर प्रदेश के बस्ती में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा,



इस समय जो वैश्विक हालात हैं, उस पर प्रत्येक भारतीय की नजर है। भारत ने हमेशा अपने एक-एक नागरिक के जीवन की सुरक्षा को

सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। जहां भी संकट आया, हमने अपने नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है। रूस और यूक्रेन के बीच जारी तनाव के कारण वहां मौजूद भारतीयों की स्वदेश वापसी के बारे में उन्होंने कहा, ऑपरेशन गंगा चलाकर हम यूक्रेन से भी हजारों भारतीयों को वापस ला रहे हैं। हमारे जो बेटे-बेटी अभी भी वहां हैं उन्हें पूरी सुरक्षा के साथ अपने

घर पहुंचाने के लिए सरकार दिन-रात काम कर रही है। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा, आज चंद्रशेखर आजाद जी के बलिदान दिवस पर देश अपने सपूत को याद कर रहा है। कल बालाकोट एयर स्ट्राइक के तीन साल पूरे होने पर देश ने अपने वायुसेना के पराक्रम को भी याद किया। हमारे शेष पृष्ठ 7 पर



मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शहीद चंद्रशेखर आजाद और राष्ट्रवादी विचारक नानाजी देशमुख की पुण्यतिथि पर नमन किया।

दिशा सालियान केस: केंद्रीय मंत्री राणे और विधायक बेटे पर मुकदमा

मुंबई। मुंबई की मालवानी पुलिस ने रविवार को केंद्रीय मंत्री नारायण राणे और उनके विधायक बेटे नितेश राणे के खिलाफ दिशा सालियन केस में मानहानि के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने बयान दिया था कि दिशा सालियान की रेप के बाद हत्या की गई थी। दिशा दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व प्रबंधक थीं

और उनकी एक हार्दसे में मृत्यु हो गई थी। दिशा सालियन के माता-पिता ने नारायण राणे द्वारा अपनी मृत बेटी को बदनाम करने पर आपत्ति जताने के बाद प्राथमिकी दर्ज की थी, जिन्होंने आरोप लगाया था कि सालियान के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या की गई थी। इसके बाद सालियान के माता-पिता ने शेष पृष्ठ 7 पर

सितंबर तक मिल सकता है कांग्रेस को नया अध्यक्ष?

राहुल गांधी ने प्रियंका, सीएम बघेल, गहलोत, वेणुगोपाल के साथ की बैठक

● चुनाव को लेकर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मीटिंग

नई दिल्ली/ए। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के पांचवें चरण के लिए आज रविवार को वोटिंग हो रही है और इस बीच कांग्रेस ने दिल्ली में अहम बैठक हुई। राहुल गांधी के आवास पर हुई इस बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत,

यूपी महासचिव प्रियंका गांधी, संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने हिस्सा लिया। इस कहा गया है कि कांग्रेस चुनाव समिति 2022 के सितंबर महीने तक अपना अगला अध्यक्ष चुन सकती है। बैठक के बाद छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि आज केसी वेणुगोपाल, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड़ा और अशोक गहलोत के साथ बैठक

की। पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों पर विस्तृत चर्चा की गई। 10 मार्च को घोषित होने वाले परिणामों के संबंध में रणनीति पर भी चर्चा की गई। वहीं, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि 5 राज्यों में चुनाव और आगे के रास्ते पर विस्तृत चर्चा की गई। वर्तमान सरकार द्वारा संविधान और लोकतंत्र की चुनौतियां खतरे में हैं। कांग्रेस आज एकमात्र विपक्षी पार्टी शेष पृष्ठ 7 पर

‘मकसद का पूर्ण अभाव होना आरोपी के पक्ष में जाता है’

● सुप्रीम कोर्ट ने हत्या के आरोपी को किया बरी

नई दिल्ली (ए.)। सुप्रीम कोर्ट ने 1997 में हुई एक हत्या मामले में उग्रकैद की सजा पाए एक व्यक्ति को बरी करते हुए कहा कि मकसद का ‘पूर्ण अभाव’ होना एक अलग रां होता है और निश्चित रूप से यह आरोपी के पक्ष

में जाता है। जस्टिस यू.यू. ललित, जस्टिस एस.आर. भट्ट और जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा की बेंच ने साथ ही यह टिप्पणी भी की कि इसका अर्थ यह नहीं है कि मकसद के अभाव में अभियोजन के मामले को खारिज कर दिया जाना चाहिए। बेंच ने 2014 में छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट द्वारा सुनाए गए आदेश को खारिज कर दिया।

पांचवें चरण का मतदान संपन्न, पांच बजे तक 53.93% मतदान

लखनऊ(वार्ता)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के पांचवें चरण में 12 जिलों की 61 सीटों पर रविवार को मतदान शाम छह बजे सम्पन्न हो गया। निर्वाचन आयोग के अनुसार शाम पांच बजे तक 53.93 फीसदी लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर लिया था। पांच बजे तक चित्रकूट में सबसे ज्यादा 59.50 फीसदी मतदान हुआ था जबकि प्रयागराज में सबसे कम 51.29 फीसदी मतदाता वोट देने के लिये घर से बाहर निकले थे। इसके अलावा अमेठी में 52.82 फीसदी,अयोध्या में 58.01 फीसदी, बहराइच में 54.68 फीसदी, बाराबंकी में 54.75 फीसदी, गोंड में 54.21

शुभारंभ

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तीन दिवसीय चरण का शुभारंभ

पोलियो मुक्त बने देश-प्रदेश : सीएम चौहान

प्रदेश के एक करोड़ 11 लाख बच्चों को दी जाएगी खुराक

महाशिवरात्रि के मेला स्थलों पर भी बनेंगे ट्राजिट बूथ

ईट भुइँ, फ़ेशर स्थल और घुमकड़ आबादी तक पहुँचेंगे चलित दल



जा रहे टीकाकरण कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री निवास में बच्चों को दवा की खुराक पिलाकर किया। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी भी इस अवसर पर उपस्थित थे। मुख्यमंत्री चौहान ने अखिल, संजु, दिशा, आराध्य द्विवेदी

और सानवी मालवीय सहित 11 बच्चों को दवा पिलाई। मुख्यमंत्री श्री चौहान को नौ वर्षीय बालिका सुश्री प्रियांशी शुक्ला ने धन्यवाद देते हुए एक चित्र पर आटोग्राफ देने शेष पृष्ठ 7 पर

मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान एक नजर में

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान में मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बच्चों को पोलियो रोधी दवा की दो बूँद देकर जिस अभियान का शुभारंभ किया है, उसमें 27, 28 फरवरी और 2 मार्च को 0 से 5 वर्ष आयु तक के एक करोड़ 11 लाख बच्चों को फ़ दो बूँद जिंदगी की खुराक दी जाएगी। अभियान के पहले दिन पोलियो रविवार के लिए 83 हजार 261 बूथ, 4,252 ट्रजिट बूथ, 12 हजार 996 ईई रिस्क एरिया एवं आईवोटरी बूथ बनाए गए हैं।

कोई बच्चा दवा से वंचित न रहे

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि भारत सरकार और मध्यप्रदेश सरकार ने अनेक वर्ष निरंतर यह अभियान चलाया है। प्रदेश और देश को पोलियो मुक्त बनाना है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह अभियान लगातार चल रहा है। मध्यप्रदेश में गत 15 वर्ष से अभियान सुचारु रूप से संचालित हुआ है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग बधाई का पात्र है। मैं स्वयं इन अभियानों से जुड़ा रहा हूँ। हमारा संकल्प है मध्यप्रदेश भी पोलियो से मुक्त रहेगा, हमारा देश भी रहेगा। इसके लिए अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण है। मैं सभी नागरिक भाई-बहनों को निवेदन करना चाहता हूँ कि कोई बच्चा पोलियो डोज से वंचित न रहे। उसकी जिन्दगी सुखी रहेगी। वह रोगों से बचा रहेगा। स्वास्थ्य विभाग की टीम हर केन्द्र पर पहुँच रही है। हर बच्चे को दो बूँद दवा मिल जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्वास्थ्य मंत्री एवं स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम को बधाई दी।

संपादकीय

बातचीत से हो विवाद का समाधान

रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग का पुरी दुनिया पर असर पड़ सकता है। यही नहीं बल्कि इस युद्ध के तीसरे विश्व युद्ध में बदलने की संभावना को भी नकारा नहीं जा सकता। कोई भी युद्ध हो और उसका परिणाम कुछ भी निकले उसका खामियाजा निर्दोष लोगों को भुगतना पड़ता है। बेहतर होगा कि रूस और यूक्रेन के बीच चाहे जिसे भी विषय को लेकर विवाद बढ़ा हो उसे आपसी बातचीत के जरिए ही सुलझाना चाहिए। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी यही बात रूस के राष्ट्रपति पुतिन से कही थी और यूक्रेन के राष्ट्रपति के साथ चर्चा में भी उन्होंने यही बात कहीं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में भी भारतीय प्रतिनिधि ने भारत की ओर से अपना रूख साफ कर दिया था। की युद्ध किसे के भी हित में नहीं है इसे आपसी चर्चा करके ही युद्ध को रोका जाना चाहिए। भारत के इस रुख की रूस सहित कई देशों ने सराहना की है और यह भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील का ही सुपरिणाम है कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन यूक्रेन के साथ चर्चा करने के लिए तैयार हो गए हैं। लेकिन अब यूक्रेन के राष्ट्रपति इस चर्चा के लिए शर्त लगा रहे हैं। इस स्थिति में चर्चा खटपट में पड़ सकती है और जंग के हालात आगे और भयावह रूप ले सकते हैं। उचित तो यही होगा कि रूस और यूक्रेन अपनी हट धर्मिता छोड़कर निशर्त बातचीत के लिए तैयार हो ताकि इस जंग को टाला जा सके। रही बात अमेरिका की तो वह युद्ध को लंबा चलाने की फिराक में है। दरअसल अमेरिका को अपने हथियार बेचना है जो तभी संभव है जब यह जंग लंबी चले। किन्तु रूस और यूक्रेन को अपना हित देखना चाहिए खास तौर पर यूक्रेन को यह समझना चाहिए कि वह रूस के सामने बहुत कमजोर है और जिस अमेरिका की शह पर वह जंग पर आमादा है वह अमेरिका अफगानिस्तान में तालिबानियों के सामने झुक कर अपने हथियारों का जरिरा अफगानिस्तान में छोड़कर आ गया था। नतीजनत अफगानिस्तान में तालिबानियों की हुकुमत कायम हो गई है और अफगानिस्तान की जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। यूक्रेन को यह भी समझना होगा कि हर देश को अपनी जां खुद लड़नी पड़ती है। यदि सामने शक्तिशाली देश हो तो उससे जूज करके नुकसान उठाना कोई बुद्धिमानी नहीं है। उम्मीद की जानी चाहिए कि बातचीत का सकारात्मक परिणाम सामने आएगा और यह जंग जल्द खत्म हो जाएगी।

लघुकथा

आध्यात्मिक पर्व है महाशिवरात्रि



फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को महाशिव रात्रि का व्रत किया जाता है। हिन्दू पुराणों के अनुसार इसी दिन सृष्टि के आरंभ में मध्यरात्रि मे भगवान शिव ब्रह्मा से रुद्र के रूप में प्रकट हुए थे। इसीलिए इस दिन को महाशिवरात्रि कहा जाता है। महाशिवरात्रि भगवान शिव का लौहार है। भारत के सभी प्रदेशों में महाशिव रात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। भारत के साथ नेपाल, मारिशस सहित दुनिया के कई अन्य देशों में भी महाशिवरात्रि मनाते है। योगिक परम्परा में इस दिन और रात को इतना श्रद्धा इसलिए दिया जाता है क्योंकि यह आध्यात्मिक साधक के लिए जबरदस्त संभावनाएं प्रस्तुत करते हैं। आधुनिक विज्ञान कई चरणों से गुजरने के बाद आज उस बिंदु पर पहुंच गया है। जहां वह प्रमाणित करता है कि हर वह चीज जिसे आप जीवन के रूप में जानते हैं। पदार्थ और अस्तित्व के रूप में जानते हैं। जिसे आप ब्रह्मांड और आकाशगंगाओं के रूप में जानते हैं। वह सिर्फ एक ही ऊर्जा है। जो लाखों रूपों में खुद को अभिव्यक्त करती है। माना जाता है की इस दिन भगवान शंकर और माता पार्वती का विवाह हुआ था। इस दिन लोग व्रत रखते हैं और भगवान शिव की पूजा करते है। महाशिवरात्रि का व्रत रखना सबसे आसान माना जाता है। इसलिये बच्चों से लेकर बूढ़े तक सभी इस दिन व्रत रखते हैं। महाशिवरात्रि के व्रत रखने वालों के लिये अन्न खाना मना होता है। इसलिये उस दिन फलाहार किया जाता है। राजस्थान में व्रत के समय गाजर, बेर का सीजन होने से गांवों में लोगों द्वारा गाजर, बेर का फलाहार किया जाता है। लोग मन्दिरों में भगवान शिव की पूजा करते हैं व उन्हे आक, धतूरा चढ़ाते हैं। भगवान शिव को विशेष रूप से भांग का प्रसाद लगता है। इस कारण इस दिन काफी जगह शिवभक्त भांग घोट कर पीते हैं। शिवरात्रि के प्रसंग को हमारे वेद, पुराणों में बताया गया है कि जब समुद्र मन्थन हो रहा था उस समय समुद्र में चैदह रास प्राप्त हुऐ। उन रासों में हलाहल भी था। जिसकी गर्मी से सभी देव दानव त्रस्त होने लगे। तब भगवान शिव ने उसका पान किया। उन्होंने लोक कल्याण की भावना से अपने को उत्सर्ग कर दिया। इसलिए उनको महादेव कहा जाता है। जब हलाहल को उन्होंने अपने कंठ के पास रखा लिया तो उसकी गर्मी से कंठ नीला हो गया। तभी से भगवान शिव को नीलकंठ भी कहते हैं। शिव का अर्थ कल्याण होता है। जब संसार में पापियों की संख्या बढ़ जाती है तो शिव उनका संहार कर लोगों की रक्षा करते हैं। इसीलिए उन्हें शिव कहा जाता है। पुराणों में कहा जाता है कि एक समय शिव पार्वती जी कैलाश पर्वत पर बैठे थी। उसी समय पार्वती ने प्रश्न किया कि इस तरह का कोई व्रत है जिसके करने से मनुष्य आपके धाम को प्राप्त कर सके ? तब उन्होंने यह कथा सुनाई थी कि प्रत्यना नामक देवता था। उसने सेठ से धन उधार ले रखा था। समय पर कर्ज न चुकाने के कारण सेठ ने उसको शिवमठ में बन्द कर दिया। संयोग से उस दिन फाल्गुन बदी त्रयोदशी थी। वहां रातभर कथा, पूजा होती रही जिसे उसने भी सुना।

पाठकों की बात

वो निडर है वो जिधर है वो मुखर



वो निडर है वो जिधर है वो मुखर है उसे खबर है कि वो सत्य है। वो अडिग है वो सजग है वो स्पष्ट है वो स्वतंत्र है क्योंकि वो सत्य है। वो दालु है वो आसक्ति है वो पथिक है वो भीड़ का हिस्सा है पर वो अकेला है क्योंकि वो सत्यनिष्ठ है एक सत्यनिष्ठ की आत्मकथा। **पूनम झा**

चढ़ जा बेटा शूली पर भला करेगा



चढ़ जा बेटा शूली पर भला करेगा राम...कुछ इसी अन्दाज़ में सारे युरोपियन देश और अमेरिका ने उक्रेन को चना के झाड़ पर चढ़ा दिया... और सबने पतली गली पकड़ ली... सोचना तो ये था क्या मुझमें कुब्बत है..? इससे ये निष्कर्ष निकलता है कि... पप्पू सिर्फ भारत में ही नहीं उक्रेन में भी है..! **कुमार संतोष**

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

.खास पत्नी. दरमियाँ एक मौन दु:साहस करती



दरमियाँ एक मौन दु:साहस करती कुछ ख़ाहिशें तुम्हारा वह स्मित हाथ्य। रुबरू होने की वह तमाम हसरतें एक बेदखल सा वह ठहरे पानी सा रुका ख्यालवह अलसाईं बरहम जुल्फें. बेतरतीब सा होश खोता एक झुमका..जो अक्सर तेरे ख्याल से बेवजह दे जाता एक प्रीति चिन्ह गालों पर..वह गुस्ताखी करती कलम जो बात बात पर खू लेती है मेरे लबो को. और उस से ज्यादा बेखौफ़ से वह ख्याल जो अक्सर अटखेलियां करते है मेरे पल्लू से. बेबाक हो लिपटते वह शब्द तुम्हारे जो कर देते है नि:शब्द मुझे तेरी मखमली चाहत में। **सुरेखा अग्रवाल**

समय दर समय लोगों की अवधारणा

समय दर समय लोगों की अवधारणा बदल सी रही हैं पहले तो मजहब के लिए राजनीति करते थे और आ राज्य को अगल देश वनवाने पे लगे हैं एक तरफ छत्रों पे लाटीचार्ज करवाया जा रहा तो दूसरी ओर आकर्षित विन्यापन दिए जा रहे आज तक काला धन वापसी तो नहीं हुआ पर अब चर्चा तक नहीं होती समय दर समय लोगों की अवधारणा बदल सी रही हैं। **सोनु कुमार आकाश**

हमें अपनी तैयारियों को ओर पुख्ता

हमें अपनी तैयारियों को ओर पुख्ता करना होगा चीन ओर पाक को ध्यान में रख कर क्योंकि ये दोनो मिल के कभी न कभी लड़ेंगे भारत से और ये मान के चलना होगा की यूक्रेन की तरह हमारे साथ भी कोई नहीं होगा लड़ने के लिए लेकिन ज्ञान और प्रतिबंध वाले रहेंगे।

सचिन चौधरी



विकाश कुमार

लेखक केंद्रीय विश्वविद्यालय अमरकंटक में रिसर्च स्कॉलर हैं एवं राजनीति विज्ञान में गोल्ड मेंडलिस्ट है) मो:-6392910509

युद्ध विराम जल्द है जल्द ही होना चाहिए, क्योंकि अधिक समय तक युद्ध चलने से आम नागरिकों की हत्याएं और कत्लेआम अधिक हो सकता। कहने का अभिप्राय यह है कि यह धाति और रूस और यूक्रेन दोनों को ही उतानी पड़ सकती है। अभी तक के जानकारी के मुताबिक 200 से अधिक यूक्रेन के नागरिकों कि इस युद्ध में मौत हो चुकी है। देश में मेय का वातावरण व्याप्त है। ऐसे में मध्यम मार्ग निकालकर प्लादीमीर पुतिन को अपनी हठधर्मिता छोड़कर युद्ध विराम की घोषणा करनी चाहिए। इससे ही मानवता की रक्षा हो सकेगी। दोनों देशों को चाहिए की एक वार्ता करके संवाद शैली के माध्यम से आपसी विवादों को सुलझाएं ,क्योंकि युद्धों से आम नागरिकों की हत्याएं होती है।



कुमार रमेश
अपराधशास्त्री, विदेशी मामलों के जानकारी एवं वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर

निष्कर्ष की बात करते तो यह युद्ध पूरी तरह से इम्प्रीजनल होफेयर के अंतर्गत लग जा रहा है। एक ओर जहां यूक्रेन अपने 18000 नागरिकों को हरियार बांटकर 1000 से ज्यादा रूसी सैनिक, 7 फ़क्टर जेट्स गारनों का दावा कर रहा है तो वहीं रूस दुनिया को यह आश्वासन दे रहा है कि वह यूक्रेन पर कब्जा नहीं करेगा। जबकि रूसी सेना ने कई ध्वज, गैरोंकिल व्हीलचियर प्लाट और कोर एयरपोर्ट पर कब्जे के साथ 220 यूक्रेनी सैन्य अड्डों को तबाह कर दिया है। इस दौरान राष्ट्रपति जेलेन्स्की की निडरता और जल्बों को सहायन किया जाना चाहिए, ये विवेचना के साथ एक का निर्दिष्ट कर रहे हैं। नाला सहित अनेकों देश विश्वशांति के लिए युद्ध रोकने की अपील कर रहे है लेकिन पुतिन के इतने आगे बढ़ने और बड़ी सेना होने के कारण आगे में जीत रूस की ही सैनी, जेलेन्स्की को पद छोड़ना पड़ेगा और तुल्यवद - वनेत्यक को स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता देनी होगी, इस तरह यूक्रेन के साथ साथ ये देश भी रूस के लिए बड़ा स्ट्रेट की तरह है जर्मनी और अमेरिकी नीति पर दुनिया का गहरेआ एक बार चिन्त करना होता जायेगा।

अभिव्यक्ति

यूक्रेन और रूस युद्ध : गुटबंदी की ओर बढ़ती दुनिया

युद्ध दोनों पक्षों के लिए हानिकारक होते हैं। मानवता के समर्थक कभी भी युद्ध का समर्थन नहीं कर सकते, क्योंकि यह एक ऐसा भयावह आधार होता है जिससे आम जनमानस को पीड़ा की ज्वाला में झोक दिया जाता है। यह कुछ तथ्याकथित हठधर्मी नेताओं का वह निर्णय होता है जो हिंसा के समर्थक और मानवता के शत्रु, शांति में विश्वास ना रखने वाले एवं संवाद प्रणाली से दूरी बनाए रखते हैं। प्रत्येक प्रकार की समस्या का हल संवाद प्रणाली से किया जा सकता है, परंतु याद रखने वाली स्थिति यह भी होती है कि संवादात्मक गतिविधियों में मध्यस्थ करने वाले स्तंभों को भी उन मूल्यों में विश्वास होना चाहिए। कुछ इसी प्रकार की गतिविधियां वर्तमान वैश्विक समुदायों में देखी जा सकती हैं। रूस ने यूक्रेन से जंग का ऐलान कर दिया है उसके प्रमुख सैन्य ठिकानों में बमबारी एवं युद्ध पोतों से हमला करने के साथ-साथ उसके सैनिक यूक्रेन के प्रमुख शहरों में प्रवेश कर चुके हैं। वहां के राष्ट्रपति जेलेन्स्की ने भी हथियार उठा लिए हैं और उन्होंने वैश्विक महाशक्तियों से अपील की है कि ऐसी परिस्थितियों में संभावित सहायता करें। सहायता के लिए प्रायः फ़्रांस, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका एवं कनाडा सहित अन्य देश आगे बढ़े हैं। जेलेन्स्की के स्वयं हथियार उठा लेने के बाद वहां के आम नागरिकों में राष्ट्रभंम की चेतना और संचार का भाव दोगुना हो गया है। उन्होंने अपने राष्ट्र के रक्षा के लिए मरने और मारने दोनों के लिए तैयार हो गए हैं। उनके इस एक्शन को विश्व में सराहना की जा रही है, परंतु सवाल यह उठता है कि क्या यूक्रेन का जोश बिना हथियारों के रूस के विशाल सैन्य शक्ति के समक्ष कब तक टिक पाएगा? इसी बीच रूस ने यूक्रेन को बातचीत का ऑफ़र भी दिया ,परंतु जेलेन्स्की ने इस प्रस्ताव को ठुकराते हुए कहा कि बेलारूस जैसे क्षेत्र से मेरे नागरिकों पर बमबारी और गोले बरसाए गए हैं ,ऐसे क्षेत्र से बातचीत का प्रस्ताव को स्वीकार मैं

नहीं करता। दरसल रूस और यूक्रेन के मध्य का विवाद नाटो की सदस्यता को लेकर हो रहा है। नाटो की स्थापना 1949 में अमेरिका के नेतृत्व भी साम्यवादी गतिविधियों को रोकने के लिए किया गया था जिसके वर्तमान समय में 30 देश सदस्य हैं जिनकी संख्या स्थापना के समय 12 थी।



यह एक सैन्य संगठन है जिसका नारा है कि यदि किसी भी सदस्य देश पर कोई भी बाहरी शक्ति आक्रमण करती है तब ऐसी स्थिति में वह उसका मुकाबला सामूहिक रूप से करेंगे। इस संगठन के विरुद्ध पूर्व सोवियत संघ ने भी 1955 में वारसा पैक्ट की स्थापना की थी परंतु 1991 में सोवियत संघ के बिखरने के पश्चात वारसा पैक्ट का भी विघटन हो गया, परंतु नाटो अभी तक अस्तित्व में हैं। सोवियत संघ से विघटित अधिकतम देशों ने नाटो की सदस्यता ग्रहण कर ली है, यूक्रेन भी नाटो की सदस्यता ग्रहण करना चाहता था ,जिसका रूस के तत्कालीन राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने विरोध किया। उन्होंने तो नोटों से यह भी कहा कि 1997 के पश्चात जितने देशों ने नाटो संगठन की सदस्यता ग्रहण की है उनकी सदस्यता को रद्द किया जाए, यूक्रेन ने नाटो के सदस्यता क प्रस्ताव जैसे ही प्रस्तावित किया वैसे ही व्लादीमीर पुतिन ने अपनी सेनाओं को यूक्रेन के

तब ऐसी स्थिति में अमेरिका सहित अन्य देशों को सैन्य सहायता अवश्य देनी चाहिए थी। प्रारंभ में यदि वह सभी देश यूक्रेन को विभिन्न प्रकार के आश्वासन ना दिए होते तो शायद आज यह स्थिति नहीं बनती। दरअसल इस युद्ध में विश्व के प्रमुख देश अपने गुट बंदियों की ओर बढ़ रहे हैं ,क्योंकि चीन जैसे देश सदैव रूस के समर्थन में ही रहेंगे। इधर भारत ने भी संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद में निंदा प्रस्ताव पर वोटिंग ना करके अपने आप को इससे दूर ही रखा है। उधर अमेरिका जैसे अन्य देश केवल अपील करते दिख रहे हैं विशेष एक्शन नहीं ले पा रहे हैं। छोटे देशों ने काफी कुछ हद तक सहायता पहुंचाई है परंतु वह यूक्रेन के लिए पर्याप्त नहीं होगी। रूस के पास एक विशाल सेन सकती है जो आधुनिक हथियारों से सुसज्जत है, जवाबी कार्यवाही के लिए चाहिए कि उसके पास भी ऐसे ही हथियार, युद्धपोत, मिसाइलें एवं राइफल्स हों जो रूस के अधिक प्रभावशाली हों। अभी तक इस देश ने यूक्रेन के लिए नहीं किया है। परिस्थितियों में भी गुट बंदियों को आधार बनाया जा रहा है। अमेरिका की यह धारणा जरूर रही होगी कि यदि वह रूस के विरुद्ध सैन्य आक्रमण करता है तब ऐसी स्थिति में चीन भी एक्शन लेने से पीछे नहीं हटेगा और यह बात सच विदित है कि अमेरिका ने जहां पर भी हस्तक्षेप किया है उन देशों में सफल लोकतांत्रिक शासन स्थापित नहीं हो सका है। उसने सैन्य सहायता लेने की जगह जेलेन्स्की की सहायता करनी चाहिए। केवल आर्थिक प्रतिबंध लगा देने से और अपने देश में राजनैतिक आवागमन के प्रतिबंध कर देने से किसी भी देश का सैन्य साहस नहीं टूटता। हां यह जरूर कहा जा सकता है कि यदि युद्ध अधिक समय तक तक चला तोर उसको भी बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। कभी शाम में वहां का हिस्सा रहे यूक्रेन ने जब नाटो की सदस्यता का प्रस्ताव आगे बढ़ाया

अमेरिका के धोखे में फंस गया यूक्रेन

जब एक स्टैंडअप कॉमेडियन को यूरोप के बड़े देशों में से एक का राष्ट्रपि बनाया गया तब उसने नहीं सोचा होगा कि पेशेवर जीवन में हंसने से ज्यादा लोगों को उसे अपने राजनीतिक जीवन में रलाना पड़ेगा। आज अपनी हार करीब देखकर यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लाेदोमीर जेलेन्स्की रूस के साथ बातचीत की टेबल पर आने के लिए तैयार हो गए हैं। 24 फवरी को राष्ट्रपति जेलेन्स्की को पता चल गया कि क्रिम तख अमेरिका और नाटो ने उनका और उनके देश का इस्तेमाल किया। वह मदद की गुहार लगाते रहे, लोगों की जान का डर दिखाते रहे, फिर भी जिन देशों ने उन्हें उकसाया, उनमें से कोई भी उनकी मदद के लिए आगे नहीं आया। वैसे, 21वीं सदी के इस दशक में जब दुनिया के देश उच्च तकनीकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इम्प्रेशन और साइबो लॉजिकल वॉरेफेयर से अपना नैटिव स्थापित कर रहे हैं उस दौर में भी इस स्तर की आमने-सामने लड़ाई देखना करोड़ों लोगों के लिए एक सपने की तरह ही है, या फिर यह कहा जा सकता है कि विरोधी देशों ने पूरे लब्बोलुआब से इसे प्रचारित किया है, क्योंकि इतनी खेंसटी से चीन द्वारा लद्दाख में आक्रमण, आमीनीया-अजरबैजान युद्ध, यमन युद्ध, इजराइल-हमास युद्ध पर तत्परता नहीं दिखाई गई।



बहरहाल, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर विशेष सैन्य अभियान की घोषणा कर दी है, जिससे अबतक दोनो देशों के हजारों सैनिक व आम नागरिक मारे जा चुके हैं, लेकिन पर जाकर इस बात पर चर्चा करना ज्यादा मुश्किल होगा कि यह परिस्थितियां किसकी देन है? एक देश के रूप में अपने संप्रभुता की रक्षा करना निश्चित ही प्रत्येक राष्ट्र के लिए प्राथमिक कर्तव्य है, जिसमें रूस भी शामिल है। 2014 से ही रूस, यूक्रेन को नाटो में शामिल होकर उनके लिए खतरा न बनने के लिए चेतावनी दे रहा है, इसके परिणामस्वरूप पुतिन ने सामरिक रूप से महत्वपूर्ण क्रिमिया को भी कब्जा लिया। फिर भी किसी ने पुतिन को गंभीरता से नहीं लिया, बल्कि मैं यह जानकर तब और भी हैयन हो जाता हूं जब संयुक्त राष्ट्र के महासचिव और

इस कांड के प्रायोजक जो बाइडेन का मानना था कि पुतिन कभी सीधी लड़ाई में नहीं कूटेंगे। कभी खुद रूस को नाटो में शामिल करने के इच्छुक पुतिन ने, आज इसी नाटो की आड़ में आयरन कर्टन को धरशाणी कर दिया है, जबकि अमेरिका सहित नाटो देश मुंह छिपाकर भाग खड़े हुए। क्योंकि सबको पता है, खुद बिना बर्बाद हुए रूस को कभी नहीं हराया जा सकता, वो भी तब जब अमेरिका के भी पीछे छोड़े हुए रूस ने हाइड्रप्सोमेटिक मिसाइल तकनीक विकसित कर लिया है, और परमाणु हथियार तो पहले ही रूस के पास सबसे ज्यादा है, शायद इसीलिए अनेकों देश रूस और उनके नेताओं पर प्रतिबंध लगा रहे हैं, क्योंकि उनके पास सिंक्रेटना ही विकल्प है।

हाल ही में पाकिस्तानी राष्ट्रपति आरिफुल्लेन ने दक्षिण एशिया के एक कार्यक्रम में कहा कि मेरे गलती से यह मान लिया था कि वियतनाम युद्ध से भागने के बाद अमेरिका कुछ सीखा होगा, लेकिन मैं गलत था। वैसे सिर्फवियतनाम ही नहीं दुनिया में होने वाली आधे से ज्यादा लड़ाईयों में सीधे तौर पर अमेरिका शामिल रहा है। चाहे वह मिडिल ईस्ट हो, कोरियन पेंनिनसुला, दक्षिण - पूर्व एशिया या ईस्टर्न यूरोप। दुनिया में लोकतंत्र बहाली के इस अमेरिकी अभियान में करोड़ों जाने गईं हैं। ऐसे वक्त पर मुझे पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डेनोल्ड ट्रंप याद आते हैं जो व्यक्तिगत तौर पर भले ही बेवकुशियों से भरे हों लेकिन राष्ट्रपति बेमिसाल थे, उन्होंने लोक से हटकर दुनिया के कई क्षेत्रों में चल रहे संघर्ष को खत्म

QUIZ TIME

- हाल ही में नासा ने कौन-सा टेलीस्कोप लॉन्च किया है?
- दिसम्बर 2020 में भारत के ऑटोनोमस नेविगेशन सिस्टम हेतु प्रथम परीक्षण की आधारशिला किस भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के परिसर में रखी गई?
- फरवरी 2021 में कहीं औपचारिक रूप से आरबीआई की ई-क्यूबेर भुगतान प्रणाली शुरू करने वाला पहला केन्द्र प्रशासित राज्य बन गया?
- फरवरी 2021 में किस राज्य में प्रतियोगी परीथाओं की नि:शुल्क तैयारी हेतु 'मुख्यमंत्री अरयुदय योजना' शुरू की गई है?
- कौन व्यक्ति आयुध निदेशालय (समन्वय और सेवाएं) के पहले महानिदेशक बने हैं?

छात्र राहुल (5) इरुंगुल्ल (7) सुब्बेरु राहुल कृष्ण (8) शालाभूषे प्रज्ञाकिशोर (7) नाकुम्पुट्ट इरुंगु श्रु कृष्ण (11)अजितराव

आज का इतिहास

नई दिल्ली । भारत एवं विश्व इतिहास में 28 फ़रवरी की प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैं:-1580 - गोवा से पहला ईसाई मिशनरी अक्बर के दरबार फ़तेहपुर सिकरी आया। 1712 -मुग़ज बादशाह बहादुर शाह प्रथम की लाहौर में मृत्यु हुई। 1847 -अमेरिका ने सकरामेंटो के युद्ध में मेक्सिको को पराजित किया। 1922-मिस्न ने ब्रिटेन से दोबारा आजादी प्राप्त की। 1924-अमेरिका ने मध्य अमेरिकी देश होंडुरस पर हस्तक्षेप शुरू किया। 1928-सोवी र्मन ने रमन प्रभाव का आविष्कार किया जिसके लिये उन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 1936-जवाहर लाल नेहरू की पत्नी कमला नेहरू का रिव्टजरलैंड में निधन। 1943- कोलकाता का हावड़ा पुल शुरू हुआ। 1947-चीनी राष्ट्रीय पार्टी कोमिंगंग के खिलाफ ताईवान में प्रदर्शन किया गया। 1948 -ब्रिटेन के सैनिकों आखिरी दस्ता भारत से रवाना हुआ। 1963 -भारत के पहले राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद का निधन। 1974 -ब्रिटेन के संसदीय चुनाव में त्रिशंकु परिणाम आया। 1975 -अमेरिका के नेवादा परीक्षण स्थल से परमाणु परीक्षण किया गया। 1991 - अमेरिका तथा गठबंधन सेना ने इराक में युद्ध विराम की घोषणा की। 1995 -अमेरिका के कोलोराडो में देनवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा शुरू। 1997 -पाकिस्तान में भूकंप से 45 की मौत। 1998- कोसोवो युद्ध: सर्बियाई पुलिस कोसोवो में कोसोवो लिबरेशन आर्मी के खिलाफ आक्रामक शुरूआत की थी। 1999 - ब्रिटेन के एंडी एल्सन और कोलीन प्रेसकोट ने 233 घंटे 55 मिनट तक गुब्बारे की मदद से आकाश में रहने का विश्व रिकॉर्ड बनाया।

नगर पालिका द्वारा स्वच्छता अभियान की उड़ाई जा रही धज्जियां

युक्त हैं। विशेष पखवाड़ा अभियान में
हुए परिचारों का गोल्डन कार्ड बनाया
जायेगा। उन्होंने बताया कि आयुष्मान
भारत योजना के अन्तर्गत परिवार क
सदस्यों का गोल्डन कार्ड अथवा त
नहीं बन पाया है, उनके लिये 28
नवम्बर 2022 से 05 मार्च 2022
तक विशेष पखवाड़ा व अभियान
ज्वलित कार्ड बनाने का काम होगा।
सभी ग्राम पंचायतों में जनसेवा केंद्रों के
लाभ्यम से कैप लगाकर लाभार्थियों के
पुप्त में आयुष्मान कार्ड बनाये जायेंगे।
हरे पखवाड़ा अत्यंत ही महत्वपूर्ण है।
तद्वारा अधिक से अधिक लाभ
ठायें और इस योजना के तहत गोल्डन
कार्ड बनावाये। सीईओ अमर बहादुर
संसेह ने कहा कि इस योजना के लिये
अभियुक्तों पर अस्सलत में भी गोल्डन
कार्ड बनाये जा सकेंगे।

बनाया जाएगा गोल्डन कार्ड:सीईओ

करने के आदेश दिए हैं। आयुष्मान भारत योजना में प्रत्येक परिवार को सालाना पाँच लाख रुपये का हेल्थ इश्योरेंस मिलता है। परिवार में मुखिया को ही इश्योरेंस का चेक परिवार के प्रत्येक गोल्डन कार्ड बनना 8 फरवरी से 05 मार्च विशेष पखवाड़ा अभियान में कैम लगाकर गोल्डन कार्ड को वर्ष 2011 के बेस अनुसार जिले के कुल परिवारों को इस योजना के लिए चिह्नित किया जा रहा है। गोल्डन कार्ड पोलैड 623,984 कुल परिवारों को गोल्डन कार्ड बनाये जा

लाभ मिलागा लेकिन परिवार के प्रत्येक सदस्य का गोल्डन कार्ड बनना आवश्यक है। 28 फरवरी से 05 मार्च 2022 तक विशेष पखवाड़ा अभियान के तहत विशेष में वर्ष 2011 के बेस सर्वे डाय के अनुसार जिले के कुल 11,40,165 परिवारों को इस योजना का लाभ देने के लिए चिन्हित किया गया, जिसके सामांश 623,984 कुल लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड बनाये जा

